

>

Title: Need to provide arrears of honorarium due to Madarsa teachers employed under MPQEM and MPEMM schemes of Government of India. -laid

कुंवर दानिश अली (अमरोहा): मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एस.पी.क्यू.ई.एम./एस. पी.ई.एम.एम. योजनांतर्गत कार्यरत मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षकों के सामने अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में लगभग 25500 व अन्य राज्यों में कई हजारा मदरसा आधुनिक शिक्षक मदरसों में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान एवं कम्प्यूटर शिक्षा विगत 26 वर्षों से देते आ रहे हैं। इस महंगाई के दौर में स्नातक शिक्षक को मात्र 6000/- रुपए प्रतिमाह व स्नातक, बी.एड. शिक्षक को मात्र 12000/रुपए प्रतिमाह की दर से दिए जाने का प्रावधान है। लेकिन शिक्षकों को इस कम मानदेय के बावजूद भी समय पर मानदेय नहीं मिला बल्कि आज भी केन्द्र सरकार पर विगत 3 वर्षों का मानदेय बकाया है। इसके कारण अब तक 24 मदरसा आधुनिक शिक्षकों की हार्ट अटैक से मृत्यु हो चुकी है।

अतः मेरी सरकार से मांग है कि मदरसा आधुनिक शिक्षकों का लंबित बकाया मानदेय भुगतान जल्द से जल्द किया जाए।

کنور دانش علی (امروہہ): محترم چیرمین صاحب، وزارتات انسانی وسائل کی

ترقی کے ذریعہ سنجالت ایس۔پی۔کیو۔ای۔ایم۔/ایس۔پی۔ای۔ایم۔ایم۔ منصونہ بندی کے تحت کاریرت مدرسہ جدیدیت اساتذہ کے سامنے بہت سارے مسائل پیدا ہوتے ہیں۔ اتر پردیش میں لگ بھگ 25500 و دوسری ریاستوں میں کئی ہزار مدرسے جدید تعلیمی مدرسوں میں ہندی، انگریزی، حساب، سائنس و کمپیوٹر کی تعلیم گزشتہ 26 سالوں سے دیتے آ رہے ہیں۔ اس مہنگائی کے دور میں گریجویٹ اساتذہ کو صرف 6000 روپئے مہینے کی در سے و پوسٹ گریجویٹ، بی۔ایڈ اساتذہ کو 12000/- روپئے فی ماہ دئیے جانے کا پراودھان ہے۔ لیکن اساتذہ کو اتنے کم محنتانا کے باوجود بھی وقت پر محنتانا نہیں

ملا بلکہ آج بھی مرکزی سرکار پر گزشتہ 3 سال کا محنتانا بقایا ہے۔ اس کی وجہ سے اب تک 24 مدرسہ آدھونک اساتذہ کی ہارٹ اٹیک سے موت ہو چکی ہے۔

جناب، آپ کے ذریعہ میری سرکار سے مانگ ہے کہ مدرسہ آدھونک اساتذہ کو لمبے وقت سے بقایا محنتانا جلد سے جلد ادا کیا جائے۔

(ختم شد)